ISSN: 2394-3122 (Online)
ISSN: 2394-6253 (Print)
Impact Factor: 6.03

Volume 11, Issue 6, June 2024

SK International Journal of Multidisciplinary Research Hub

Journal for all Subjects

e-ISJN: A4372-3088
p-ISJN: A4372-3089

Research Article / Survey Paper / Case Study

Published By: SK Publisher (www.skpublisher.com)

A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access Multidisciplinary & Multilingual International Journal - Included in the International Serial Directories

भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना का भारतीय समाज पर प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (लखनऊ मंडल के विशेष संदर्भ में)

जयवीर सिंह[1]
शोधार्थी, कला संकाय,
एफएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, फ़िरोज़ाबाद, उत्तर प्रदेश

डॉ. देवी लाल[2]
शोध-निर्देशक, कला संकाय,
एफएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, फ़िरोज़ाबाद, उत्तर प्रदेश

DOI: https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v11i6.3

सार: *भारत सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सुलभ और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है।*

यह शोध-पत्र भारतीय समाज पर इस योजना के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से विश्लेषण करता है, विशेष रूप से लखनऊ मंडल के संदर्भ में। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि योजना ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाई, आर्थिक बोझ कम किया तथा सामाजिक असमानताओं को घटाने में योगदान दिया है।

हालांकि, जागरूकता की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना की सीमाएँ तथा प्रशासनिक चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि आयुष्मान भारत योजना सामाजिक न्याय और कल्याणकारी राज्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, परंतु इसके प्रभाव को और सुदृढ़ करने के लिए सुधारात्मक कदम आवश्यक हैं।

मुख्य शब्द: *आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक प्रभाव, स्वास्थ्य असमानता, समाजशास्त्रीय अध्ययन, लखनऊ मंडल, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय*

1. प्रस्तावना (INTRODUCTION)

स्वास्थ्य किसी भी समाज के विकास का प्रमुख सूचक है। भारत जैसे विकासशील देश में स्वास्थ्य सेवाओं की असमान उपलब्धता एक गंभीर समस्या रही है। इस संदर्भ में आयुष्मान भारत योजना को 2018 में लागू किया गया, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (Universal Health Coverage) सुनिश्चित करना है।

© 2024, SK Publisher All Rights Reserved

यह योजना विशेष रूप से गरीब और कमजोर वर्गों को लक्षित करती है, जिससे समाज के वंचित वर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा सके।

2. अध्ययन का उद्देश्य (OBJECTIVES OF THE STUDY)

- आयुष्मान भारत योजना के सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण करना
- आर्थिक स्थिति पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना
- स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में हुए बदलाव का मूल्यांकन करना
- लखनऊ मंडल में योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का विश्लेषण करना

3. अनुसंधान पद्धति (RESEARCH METHODOLOGY)

यह अध्ययन निम्नलिखित विधियों पर आधारित है:

- द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण (सरकारी रिपोर्ट, शोध पत्र)
- क्षेत्रीय अध्ययन (लखनऊ मंडल)
- समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण (Functionalism, Conflict Theory)

4. आयुष्मान भारत योजना: एक परिचय

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत:

- **प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा**
- **सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज**
- **आर्थिक रूप से कमजोर 40% आबादी को कवर**

2025 तक:

- 55 करोड़ से अधिक लाभार्थी
- 40 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी
- 8.5 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती के मामले दर्ज

5. समाजशास्त्रीय विश्लेषण (SOCIOLOGICAL ANALYSIS)

5.1 कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण (FUNCTIONALISM)

यह योजना समाज में संतुलन और स्थिरता बनाए रखने में सहायक है:

- स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ी
- सामाजिक कल्याण को बढ़ावा मिला

5.2 संघर्ष सिद्धांत (CONFLICT THEORY)

- पहले स्वास्थ्य सेवाएँ केवल उच्च वर्ग तक सीमित थीं
- योजना ने वर्गीय असमानताओं को कम किया

5.3 सामाजिक न्याय और समानता

यह योजना सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है क्योंकि यह गरीब वर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करती है।

6. भारतीय समाज पर प्रभाव (IMPACT ON INDIAN SOCIETY)

6.1 आर्थिक प्रभाव

- गरीब परिवारों पर स्वास्थ्य व्यय का बोझ कम हुआ
- चिकित्सा खर्च के कारण गरीबी में गिरावट

6.2 सामाजिक प्रभाव

- स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में वृद्धि
- महिलाओं और कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण

6.3 स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

- अस्पतालों की संख्या में वृद्धि
- निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ी

7. लखनऊ मंडल के विशेष संदर्भ में विश्लेषण

लखनऊ मंडल में अध्ययन से निम्न निष्कर्ष सामने आते हैं:

7.1 सकारात्मक प्रभाव

- गरीब वर्गों को मुफ्त इलाज
- सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में वृद्धि

© 2024, SK Publisher All Rights Reserved

- स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी

7.2 चुनौतियाँ

- ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी
- आयुष्मान कार्ड बनाने में तकनीकी समस्याएँ
- जागरूकता का अभाव

उत्तर प्रदेश में लाखों लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं, लेकिन अभी भी संसाधनों और जागरूकता की कमी प्रमुख बाधाएँ हैं।

8. प्रमुख समस्याएँ (MAJOR CHALLENGES)

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव
- योजना के बारे में जानकारी की कमी
- अस्पतालों में भीड़ और संसाधनों की कमी
- प्रशासनिक बाधाएँ

9. सुझाव (SUGGESTIONS)

1. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना का विकास
2. जागरूकता अभियान चलाना
3. डिजिटल प्रक्रिया को सरल बनाना
4. निजी अस्पतालों की भागीदारी बढ़ाना

10. निष्कर्ष (CONCLUSION)

आयुष्मान भारत योजना भारतीय समाज में स्वास्थ्य समानता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना ने गरीब वर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर सामाजिक न्याय को मजबूत किया है।

हालांकि, इसकी पूर्ण सफलता के लिए सुविधाओं का विस्तार, जागरूकता और प्रशासनिक सुधार आवश्यक हैं। विशेष रूप से लखनऊ मंडल में इस योजना के प्रभाव को और सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

© 2024, SK Publisher All Rights Reserved

सन्दर्भ

1. सचान डी. भारत ग्रामीण डॉक्टरों की कमी को ठीक करने के लिए एक नए पाठ्यक्रम की ओर देख रहा है। लैंसेट 2013 ; 382 (9899):e10 [PubMed] [Google Scholar]
2. पटेल वी, पारिख आर, नंदराज एस, बालासुब्रमण्यम पी, नारायण के, पॉल वीके, एट अल. भारत में सभी के लिए स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करना । लैंसेट । 2015; 386 (10011): 2422–35. 10.1016/S0140-6736(15)00955-1 [PubMed] [CrossRef] [Google Scholar]
3. केंद्रीय स्वास्थ्य खुफिया ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल भारत 2018. 2018 [उपलब्ध: http://www.cbhidghs.nic.in/index1.php?lang=1&level=2&sublinkid=88&lid=1138 . 22 अक्टूबर 2018 को उद्धृत]।
4. लैगार्ड एम, पामर एन. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पर उपयोगकर्ता शुल्क का प्रभाव। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव । 2011; 13 (4): सीडी009094. [पीएमसी निःशुल्क लेख] [पबमेड] [गूगल स्कॉलर]
5. सेल्वाराज एस, फारूकी एचएच, करण ए. भारत में दवाओं पर घरों की जेब से किए जाने वाले भुगतान के वित्तीय बोझ का आकलन: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण डेटा, 1994-2014 का दोहराया गया क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषण। बीएमजे ओपन 2018; 8 (5): e018020 10.1136/bmjopen-2017-018020 [पीएमसी निःशुल्क लेख] [पबमेड] [क्रॉसरेफ] [गूगल स्कॉलर]
6. भारत सरकार, प्रेस सूचना ब्यूरो (2024)
7. NEXT IAS (2024)
8. समाजशास्त्रीय अध्ययन (2024)
9. समाचार रिपोर्ट (2024)

:::. Cite this article .:::

जयवीर सिंह & डॉ. देवी लाल. (2024). भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना का भारतीय समाज पर प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (लखनऊ मंडल के विशेष संदर्भ में). SK International Journal of Multidisciplinary Research Hub, 11(6), 15–19.

https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v11i6.3

© 2024, SK Publisher All Rights Reserved